



वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

| | |
|---|----|
| वृक्ष उत्पादक मेला | 01 |
| महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष | 02 |
| परामर्शी | 04 |
| प्रकाशन | 04 |
| आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना | 04 |
| वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला | 05 |
| कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें | 05 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 08 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 12 |
| जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम | 13 |
| पुरस्कार | 13 |
| विविध | 14 |
| मानव संसाधन समाचार | 14 |

वृक्ष उत्पादक मेला

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने संस्थान में दिनांक 10 तथा 11 मार्च 2020 को दो दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला 2020 आयोजित किया। मेले को तमिलनाडु वन विभाग, तमिलनाडु न्यूजप्रिन्ट एण्ड पेपर्स लिमिटेड (टी.एन.पी.एल.), किसान विकास केन्द्रों तथा गैर सरकारी संगठनों की सहभागिता द्वारा आयोजित किया गया।

मेले में वृक्ष कृषि प्रौद्योगिकियों, कृन्तक प्रौद्योगिकियों, कृषिवानिकी मॉडलों, पौधशाला प्रबंधन, जैव उत्पादों, प्रकाष्ठ अधिप्राप्ति तथा विपणन विकल्पों पर भी विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। मेले में वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान के नवीन प्रकाशनों तथा जैव उत्पादों का विमोचन किया गया।

श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से., भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के नए महानिदेशक

श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से. (JHK:1986) ने दिनांक 19 मार्च 2020 (अपराह्न) को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) के महानिदेशक के पद का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।



मेले में 1000 से अधिक वृक्ष उत्पादकों, तमिलनाडु राज्य वन विभाग के कर्मचारियों, किसान विकास केन्द्रों, काष्ठ आधारित उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों तथा वृक्ष उत्पादक संगठनों ने प्रतिभाग किया। आयोजन का पहली बार यू-ट्यूब पर सजीव प्रसारण किया गया। प्रथम एवं द्वितीय दिवस की कार्यवाही लिंक <https://youtu.be/3PdKjQfJNns> तथा <https://youtu.be/QXv-POoVq00> पर क्रमशः उपलब्ध हैं।



महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- परियोजना "स्व-स्थाने पर्ण अर्बुद उत्पादन की सम्भाव्यताओं के अन्वेषण के लिए *पिस्टासिया इण्टीगेरिमा* का पिटिकाविज्ञान तथा पौधशाला स्थापना (डाबर इण्डिया प्रा.लि.)" के अंतर्गत गेहूँ पर एफिड्स के पालन प्रयोग स्थापित किए गए, गेहूँ की जड़ों पर I तथा II इन्सटार निम्फ का सफलतापूर्वक पालन-पोषण किया गया। एफिड *बाएजोनिया पिस्टासिए* की शीत पीढ़ी को पाला गया। कौमार्यजनन से उत्पन्न एफिड्स ने वैकल्पिक खाद्य गेहूँ पर तीन पीढ़ियां पूर्ण की। परियोजना के अंतर्गत जीवविज्ञान संबंधित प्रयोग किए जा रहे हैं।
- परियोजना "उत्तराखण्ड तथा हरियाणा से लार्वल परजीव्याभ, *एपेनटेलस* प्रजा. (हाइमेनोप्टेरा : ब्राकोनिडी) की वर्गिकी तथा पोषी परिसर पर अध्ययन" के अंतर्गत अंबाला, पंचकुला, देहरादून का फरवरी में दौरा किया गया और विभिन्न वानिकी वृक्षों : *टैक्टोना ग्रैण्डिस*, *डैलबर्जिया सिस्सु* एवं *कैसिया फिस्टुला* तथा *लेपीडोप्टेरस लार्वा यूटेक्टोना मैचिरेलिस* के अट्ठारह नमूने तथा कुछ अभिज्ञ लार्वा एवं *एपेनटेलस* कोकुन के पाँच नमूने भी उनके प्रयोगशाला पालन के लिए एकत्रित किए गए, जो कि *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्भव तक जारी रहा। *एपेनटेलस* की तीन प्रजातियों : *ए. रूईडस*, *ए. हिब्लिए* एवं *ए. कैलीसिनी* को प्रजाति स्तर तक अभिज्ञात किया गया।

मार्च 2020 के दौरान उत्तराखण्ड में देहरादून से *एपेनटेलस* प्रजा. का एकत्रण किया गया। कीट प्राणिजात के दस स्वीपिंग नमूने एकत्रित किए गए। *एपेनटेलस* प्रजा. के पाँच प्रतिदर्शों को विभेदित किया गया। वन वृक्ष प्रजातियों : *कैसिया फिस्टुला*, *डैलबर्जिया सिस्सु* तथा *टैक्टोना ग्रैण्डिस* का भक्षण करने वाले *लेपीडोप्टेरस लार्वा* / कोकून के बीस नमूने देहरादून तथा यमुनानगर से प्रयोगशाला पालन तथा *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्भव हेतु एकत्रित किए गए। लार्वा : *कैटोप्सिला पोमोना*, *यूटेक्टोना मैचिरेलिस*, *हिब्लिया प्युरा*, *हायपोसिड्रा* प्रजा. तथा *हायपोसिड्रा सक्सेरिआ* के नमूने एकत्रित किए गए। पालन के दौरान *यूटेक्टोना मैचिरेलिस* के परजीवीकृत लार्वा से *एपेनटेलस फायटोमेट्रीई* के उद्भव का छायाचित्रण किया गया। आंकड़ों का संकलन तथा पोषी परिसर की सारिणी भी तैयार की गई।

- परियोजना "उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोप्टेरन अण्ड परजीव्याभों की विविधता तथा पोषी परिसर पर अध्ययन" के अंतर्गत तीस स्वीपिंग नमूनों को विभेदित किया गया जिनमें से तेरह अण्ड परजीव्याभों को प्रजाति स्तर : *एनाग्रस प्रजा.*, *एनापेस प्रजा.*, *गोनेटोसिरस एजाइटिकस.*, *लायमेइनोन लिटोरेलिस*, *लायमेइनोन एयूरेउस*, *लायमेइनोन नारायनी*, *मायमार टेप्रोबानीकम*, *ओलिगोसिटा डेबाइनसिस*, *ट्राइकोग्राम्मा चिलोनइस*, *ट्राइकोग्राम्मा केन्ककेरइनसिस*, *ट्राइकोग्राम्माएटोइडिए फूमाटा*, *स्यूडोलिगोसिटा लेटिपेट्रिस* तथा *यूफेन्स लेटिपेट्रिस* तक अभिज्ञात किया गया। मार्च 2020 के दौरान हरियाणा से अण्ड परजीव्याभों हेतु कीट प्राणिजात का क्षेत्र एकत्रण किया गया। समग्र रूप से विभिन्न कृषि-जलवायु अंचलों (हरियाणा, जोन 1; अंबाला, जोन 2; जिंद, नुह, पलवल, फरीदाबाद तथा जोन 3 : गुरुग्राम) से 60 स्वीपिंग नमूने एकत्रित किए गए। हाइमेनोप्टेरन अण्ड परजीव्याभों के उद्भव हेतु विभिन्न वानिकी वृक्षों (*एल्बेजिया लेब्लेक*, *एकेशिया निलोटिका*, *कैशिया फिस्टुला*, *डेलोनिकस रेजिया*, *यूकेलिटस* प्रजा., *फाइकस* प्रजा., *सायजियम क्यूमिनी* तथा *टेक्टोना ग्रैण्डिस*) को भक्षण करते नाशीकीटों के 15 नमूनों को प्रयोगशाला पालन हेतु भी एकत्रित किया गया। वर्गिकी अभिज्ञान हेतु *ट्राइकोग्राम्मा* प्रजा. के छायाचित्र भी लिए गए।
- परियोजना "उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप-प्रकारों से सम्बद्ध तितलियां" के अंतर्गत विगत आंकड़ों के लिए विभिन्न वन उप-प्रकारों के साथ सम्बद्ध तितलियों के आंकड़ा-संचय को अद्यतनीकृत किया गया। उत्तराखण्ड में पेपिलिओनिडी कुल की प्रत्येक प्रजाति के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्रण सृजित करने के लिए तितलियों के विगत आंकड़ों का पृथक्करण किया गया।
- परियोजना "पश्चिम हिमालय ओक के नाशीकीट तथा उनका नियंत्रण" के अंतर्गत देववन आरक्षित वन, चकराता से विगत में लाए गए खरसू ओक, *क्वकस सेमिकार्पिफोलिया* के कुन्दों पर *सिरामबिसिड वेधक* तथा थानो रेंज, जिला देहरादून के देवली ग्राम से बन ओक, *क्यू ल्यूकोट्राइकोफोरा* के कुन्दों पर *सिरामबिसिड वेधक*, *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम*, *जायलोट्रेकस बेसिप्यूलीजिनोसिस* के चतुर्थ इन्सटार लार्वा के जीवविज्ञान पर प्रयोग सर्दियों में प्रयोगशाला में जारी रहे। मार्च 2020 में पश्चिमी हिमालय ओक के आंकड़ा-संचय को हेमीप्टेरा गण की 12 प्रजातियों को जोड़कर अद्यतनीकृत किया गया, इस प्रकार कुल प्रजातियों की संख्या में 187 प्रजातियों तक हो गई। देववन आरक्षित वन, चकराता से विगत में लाए गए बन ओक पर *सिरामबिसिड वेधक*, *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम* जिला देहरादून के थानो रेंज के देवली ग्राम से लाए गए *क्यू ल्यूकोट्राइकोफोरा* कुन्दों के जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला में प्रयोग लार्वल भक्षण के साथ अब पुनः प्रारंभ किया गया। क्षेत्र से लाए गए *लेपीडोप्टेरा* (लायमैनट्रिडी) की 1 प्रजाति के लार्वा में जीवनचक्र अध्ययन को प्रयोगशाला में सर्दियों के दौरान प्यूपल चरण की उत्पत्ति के साथ जारी रखा गया।
- परियोजना "वन अनुसंधान संस्थान, के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई.सी.) का डिजीटलीकरण तथा संवर्धन, चरण - II (सूक्ष्म कीट)" के अंतर्गत फरवरी के दौरान लगभग 700 छायाचित्रों के साथ 100 प्रकारों तथा मार्च में 598 छायाचित्रों के साथ 129 प्रकारों को

डिजीटलीकृत किया गया। 100 प्रजातियों के लगभग 550 छायाचित्रों को फरवरी में तथा 200 छायाचित्रों को मार्च में संपादित किया गया तथा उन्हें Tiff, Jpeg तथा compressed प्रारूपों में भण्डारित किया गया। दराजों में नामों का सत्यापन पूर्ण किया गया। दराज 1-4 में आंकड़ा-संचय अभिलेखों में सत्यापन रिपोर्ट पर आधारित संशोधन फरवरी माह तथा दराज 6,9,12 से 14 तक 925 अनुक्रमों का मार्च में किया गया।

- परियोजना "पॉपलर पर्ण निष्पत्रक, क्लोसटेरा क्यूप्रेटा बट के विरुद्ध पॉपलर कृन्तकों की जाँच" के अंतर्गत पॉपलर के 20 विभिन्न कृन्तकों के कुल फिनोलिक मात्रा का आकलन किया गया। पॉपलर के 10 विभिन्न कृन्तकों की कुल टेनिन मात्रा का आकलन किया गया। पॉपलर के विभिन्न नाशीकीटों के एकत्रण एवं प्रेक्षण तथा पॉपलर के क्षेत्रों के प्रेक्षण हेतु उधमसिंह नगर, पीलीभीत, बरेली क्षेत्र का क्षेत्र दौरा किया गया।
- परियोजना "जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ में तारा, परसा, परसा पूर्व, केण्टे एक्सटेंशन को समेकित करते सम्पूर्ण हस्देओ-आनंद कोयला क्षेत्र के संबंध में जैवविविधता आकलन अध्ययन" के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सरगुजा तथा कोरबा जिलों में प्रभावित वन क्षेत्र में शीत ऋतु के दौरान तितलियों, पक्षियों तथा स्तनधारियों की स्थिति के आकलन के लिए दस दिवसीय सर्वेक्षण किया गया।
- परियोजना "उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश में क्षरित भूमियों में मेलिना आर्बोरिया तथा ऐम्बिलिका ऑफिसिनेलिस आधारित कृषि-वानिकी मॉडलों का विकास" के अंतर्गत ऐम्बिलिका ऑफिसिनेलिस में अर्बुद निर्मित करने वाले कीट का आक्रमण दर्ज किया गया। संक्रमित पादपों का फुराडान से उपचार किया गया। मेलिना आर्बोरिया में निष्पत्रक का आक्रमण पाया गया तथा संक्रमित पादपों को कीटनाशी का उपचार भी दिया गया। धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) तथा फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) के दोनों स्थलों में रोपणी क्षेत्र में अनुश्रवण तथा मृदा कार्य किया गया। प्रयोगात्मक स्थलों में यादृच्छिक रूप से गेहूँ कृषकों की गणना की गई। उपर्युक्त स्थलों में जी. आर्बोरिया तथा ई. ऑफिसिनेलिस की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण किया गया।
- परियोजना "उत्तराखण्ड में कृषकों की भूमि पर वर्षा आधारित परिस्थितियों में कचनार (बौहीनिया वेरिएगाटा), भीमल (ग्रीविया ऑप्टिवा) तथा कदंब (एन्थोसेफेलस कदंबा) आधारित कृषि-वानिकी मॉडलों का विकास" के अंतर्गत धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दोनों स्थलों में रोपणी क्षेत्र में अनुश्रवण तथा मृदा कार्य किया गया। प्रयोगात्मक स्थलों में गेहूँ के कृषकों की यादृच्छिक रूप से गणना की गई। कदंब में निष्पत्रक का आक्रमण पाया गया तथा संक्रमित पादपों में कीटनाशी का उपचार किया गया। उपर्युक्त दोनों स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदंब की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण किया गया।
- परियोजना "उत्तराखण्ड में ग्रीविया ऑप्टिवा (भीमल) के संवहनीय उपयोजन के माध्यम से आजीविका सुधार" के अंतर्गत क्षेत्र से एकत्रित ग्रीविया ऑप्टिवा के नमूने सेपोनिन निर्धारण की प्रक्रिया के अंतर्गत हैं। ग्रीविया ऑप्टिवा से रेशा निष्कर्षण की पर्यावरण हितैषी विधि के विकास हेतु कवक यथा ऐसपरजिलस नाइगर का बहुगुणन प्रगति में है। विभिन्न

उपचारों में चारे की मात्रा पर एकत्रित आंकड़े संगणन के अधीन हैं। ग्रीविया ऑप्टिवा के नमूनों से सेपोनिन का निर्धारण प्रगति में है।

- तागुची की सांख्यिकीय अभिकल्पना के द्वारा क्षारीय परिस्थितियों में मोनोक्लोरोएसिटिक अम्ल के उपयोग द्वारा कैसिया टोरा गम का कार्बोमिथायलेसन किया गया। स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकियों द्वारा ईष्टतम उत्पाद का लक्षण-वर्णन किया गया। विभिन्न तापमानों पर प्राप्त किए गए कैसिया टोरा भ्रूणपोष के अपरिपक्व सत्त तथा हाइड्रोलाइज्ड नमूनों को एच.पी.एल.सी. द्वारा रेहिन, इमोडिन तथा क्रायसोफेनिक अम्ल मानक एन्थाक्वीनोन्स के उपयोग द्वारा विश्लेषित किए गए।
- समेकित रूप से कुल 20 संततियों के नीम के बीज नमूनों में लिमोनिड्स (एजाडिरिक्टन ए तथा बी, सेलानिन, निमबिन, 3-डीसिटायलसेलानिन तथा 6-डिसेटायनिम्बिन) का एच.पी.एल.सी. आकलन किया गया। विभिन्न संततियों से नीम के बीजों का एजाडिरिक्टन ए, एजाडिरिक्टन बी, सेलानिन तथा निमबिन का एच.पी.एल.सी. द्वारा मात्रात्मक आकलन हेतु विश्लेषण किया गया।
- कैसिया ऑसिडेण्टलिस के वायवीय बायोमास से व्युत्पन्न प्राकृतिक रंजकों के साथ रंजित रेशम, ऊन तथा सूती वस्त्रों के नमूनों का अग्रेतर CIEL*a*b विश्लेषण किया गया।
- वन अनुसंधान परिसर में स्वीपिंग नेट के माध्यम से कुछ अज्ञात टैरोमैलिड बरों का क्षेत्र अवलोकन एवं एकत्रण किया गया। वन अनुसंधान परिसर से टैरोमैलिड, यूलोफिड तथा एनसायरटिड कीटों के अनेक नमूनों का एकत्रण किया गया। विभिन्न परजीवियों के एकत्रण तथा सब्जी अनुसंधान संस्थान, बागवानी अनुसंधान केंद्र एवं कृषि-वानिकी क्षेत्र के अवलोकन हेतु उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड), पीलीभीत तथा बरेली (उ.प्र.) का क्षेत्र दौरा किया गया। क्षेत्र से टैरोमैलिड्स, यूलोफिड्स तथा एफिड्स के अनेकों नमूने एकत्रित किए गए। सितारगंज से एकत्रित मीलिया प्रजा. के बीजों से टैरोमैलिड मादा बर् (अज्ञात) का उद्भव प्रेक्षित किया गया। हिमाचल प्रदेश के शिमला तथा सोलन जिलों से ओक के पर्ण तथा अर्बुद से संक्रमित फाइकस के पर्णों के नमूनों को एकत्रित किया गया। परियोजना के अंतर्गत इस माह में कुल दस प्रजातियों के नमूनों को एकत्रित किया।
- हरियाणा वन विभाग, पंचकुला के प्रकाष्ठ गोदाम से प्राप्त किए गए एकेशिया निलोटिका तथा टूना सीलियेटा के संधि-काष्ठ के सत्त को उनके रासायनिक एवं जीव परख अध्ययनों के लिए अल्ट्रासोनिकेसन के अंतर्गत हेक्सेन, 5% जल-एसीटोन तथा जल के उपयोग से पृथक किया गया।
- उत्तराखण्ड के वनों में उगने वाली बेटुला यूटिलिस (BU 06 तथा BU 10) की दो वृक्ष आबादियों का उनके छाल में निर्धारित कुल ट्राइटेरेपेनोइड के लिए लक्षण-वर्णन किया गया।
- सिट्रस रेटिक्यूलाटा (किन्नु) फलों के छिलकों को वल्कुट (कॉरटेक्स) के साथ तथा बिना वल्कुट के संगंध तेलों को उनके GC-MS सहायतार्थ रसायन परीक्षण के लिए हाइड्रो-डिस्टिलेशन के उपयोग से पृथक किया गया।

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- यूकेलिप्टस तथा लैण्टाना कमारा प्रजातियों के आर्गेनो-मेटैलिक कॉम्प्लेक्स को एक संभाव्य काष्ठ परिरक्षक के रूप में मूल्यांकित किया गया। परिवर्तनीय ध्रुवीयता के विभिन्न विलयनों (यथा, हेक्सेन, एसीटोन, एल्कोहल तथा जल) के उपयोग से छाल, काष्ठ तथा पर्णों के सत्त को तैयार किया गया।

उपर्युक्त प्रजातियों के सत्त के साथ रबरकाष्ठ के नमूनों को दाब विधि द्वारा एवं डिपिंग विधि द्वारा उपचारित किया गया तथा विभिन्न सत्तों की विषाक्तता के अध्ययन हेतु क्षेत्र परीक्षण के अधीन अनावृत किया गया। प्रारंभिक प्रयोग के परिणामों ने दर्शित किया कि एल्कोहल तथा जल सत्त क्रमिक निष्कर्षण पश्चात अन्य दोनों विलयनों की तुलना में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। आर्गेनो मेटैलिक कॉम्प्लेक्स के साथ अकार्बनिक लवणों यथा, सोडियम डायक्रोमेट तथा कॉपर सल्फेट तैयार करने हेतु विलयन सत्त के चयन के लिए यह सोपान काफी महत्वपूर्ण था।

दोनों सत्त यथा, एल्कोहल तथा जल में से जल सत्त ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा इस सत्त की अकार्बनिक लवण के साथ मिश्रण की क्षमता एल्कोहल सत्त की तुलना में काफी उत्कृष्ट थी। दोनों सत्तों का स्थिरीकरण गुणधर्म लगभग समान था। दोनों सत्त (लैण्टाना तथा यूकेलिप्टस) संयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। पर्ण सत्त की तुलना में यूकेलिप्टस की छाल तथा काष्ठ सत्त उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथॉरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोटागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर तथा खैराहा यू.जी. कोल माइन ऑफ एस.ई.सी.एल., मध्य प्रदेश द्वारा प्रदत्त ग्यारह परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

| कार्यक्रम विषय | चैनल | दिनांक |
|--|-------------------------------|---------------|
| | वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून | |
| विभिन्न वानिकी आयाम | आकाशवाणी | फरवरी 2020 |
| उत्तराखंड के रिंगाल बांस की विविधता एवं उसके उपयोग | आकाशवाणी | 23 फरवरी 2020 |

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- कैजुरिना के कृन्तकीय परीक्षणों तथा चंदन के कृषि-वानिकी परीक्षणों के वृद्धि प्रदर्शन के आकलन हेतु गुजरात का दौरा किया गया। एक वर्षीय वृद्धि आंकड़ें अभिलिखित किए गए। कैजुरिना इक्वीसेटिफोलिया तथा कैजुरिना झून्धूनीयाना के मध्य अंतर-विशिष्ट संकर सभी चयनित स्थलों (राजकोट तथा भावनगर) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। राजकोट (अंतः स्थलीय क्षेत्र) में 98% उत्तरजीविता दर्ज की गई। चंदन के कृषि-वानिकी परीक्षण में, आनंद कृषि विश्वविद्यालय परिसर में उत्कृष्ट वृद्धि पायी गई। चंदन वृक्ष ऊचाई का माध्य मान 250 से.मी. तथा आवक्ष व्यास 50 मि.मी. था।

प्रकाशन

- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मार्च माह के दौरान निम्नांकित विस्तार सामग्री को तैयार किया –
 - हिमाचल प्रदेश के महत्वपूर्ण मशरूम (हिंदी में एक लघु पुस्तिका)
 - गुच्छी (हिंदी में एक लघु पुस्तिका)
 - हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र में पायी जाने वाली सामान्य तितलियां
 - चिलगोजा (पाइनस जिरार्डियाना वाल) पर एक लघु पुस्तिका

| | | |
|--|----------|---------------|
| कैसिया तोरा के बीज का उपयोग | आकाशवाणी | 4 मार्च 2020 |
| अगरबत्ती निर्माण के लिए बाइण्डर का निर्माण – वन अनुसंधान संस्थान की भूमिका | आकाशवाणी | 4 मार्च 2020 |
| कृषि और वानिकी में आग की भयावहता | - | 11 मार्च 2020 |
| वनीकरण द्वारा सिंचाई जल की गुणवत्ता एवं उपलब्धता में वृद्धि | - | 11 मार्च 2020 |

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

| संस्थान | प्रतिभाग/आयोजित | समयावधि | स्थान |
|--|--|--------------------------|--|
| वन उत्पादकता संस्थान, राँची | किसान मेला-सह-प्रौद्योगिकी तथा मशीनरी प्रदर्शनी में किसान गोष्ठी | 13 तथा 14 फरवरी 2020 | भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम |
| काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु | भारतीय काष्ठ प्रदर्शनी 2020 | 27 फरवरी से 2 मार्च 2020 | काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु |
| वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर | वृक्ष उत्पादक मेला | 10 तथा 11 मार्च 2020 | वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर |

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

| क्र. सं. | विषय | समयावधि | लाभार्थी |
|----------|-------------------------------|---------|----------|
| | वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून | | |

| | | | |
|----|--------------------------------------|---------------|--------------------------|
| 1. | पादप वर्गिकी में आधुनिक प्रवृत्तियां | 12 फरवरी 2020 | राज्य वन विभाग तथा छात्र |
|----|--------------------------------------|---------------|--------------------------|

| | | | |
|----|---|--------------------------|---|
| 2. | उत्तर प्रदेश – विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यमुना परियोजना पर द्वितीय परामर्श | 24, 25 तथा 26 फरवरी 2020 | राज्य वन विभाग हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश-विस्तृत परियोजना रिपोर्ट-यमुना परियोजना |
|----|---|--------------------------|---|

| | | | |
|----|-----------------------------------|-------------------|------------------------------------|
| 3. | आपदा प्रबंधन में वानिकी की भूमिका | 3 से 5 मार्च 2020 | वन विभाग, NYK तथा गैर सरकारी संगठन |
|----|-----------------------------------|-------------------|------------------------------------|

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

| | | | |
|----|--|--------------|----------------------------|
| 4. | समृद्ध वानिकी हेतु CRISPER : "व्यापकता एवं चुनौतियां" तथा "वन संसाधनों के जैवपूर्वक्षण में नवीन महत्व के क्षेत्रों में अवसर" | 7 फरवरी 2020 | भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिक |
|----|--|--------------|----------------------------|

| | | | |
|----|--|---------------|---|
| 5. | रोपण वानिकी का प्रभाव : मध्यम एवं लघु स्तर के उद्योग | 11 फरवरी 2020 | अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं अनुसंधान अध्येता |
|----|--|---------------|---|

| | | | |
|----|----------------------------|--------------|---|
| 6. | वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन | 5 मार्च 2020 | वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी एवं अनुसंधान अध्येता |
|----|----------------------------|--------------|---|

| | | | |
|----|--|--------------|---|
| 7. | वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण तथा विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम | 6 मार्च 2020 | वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी एवं अनुसंधान अध्येता |
|----|--|--------------|---|



रोपण वानिकी का प्रभाव : मध्यम एवं लघु स्तर के उद्योगों पर संगोष्ठी



वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण तथा विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम पर बैठक

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

| | | | |
|----|---|---------------|--|
| 8. | राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड | 18 फरवरी 2020 | राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड के परामर्शदाता |
|----|---|---------------|--|

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

| | | | |
|----|--|---------------|------------------------------------|
| 9. | नदी जीर्णोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत नर्मदा नदी हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण | 17 फरवरी 2020 | राज्य सरकार, वैज्ञानिक एवं हितधारक |
|----|--|---------------|------------------------------------|

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- | | | | |
|-----|--|---------------|--|
| 10. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण | 10 फरवरी 2020 | ब्रह्मपुत्र द्रोणी के लोग, वन विभाग तथा शोधार्थी |
| 11. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर द्वितीय परामर्शी बैठक | 28 फरवरी 2020 | ब्रह्मपुत्र द्रोणी के लोग, वन विभाग तथा शोधार्थी |
| 12. | उद्यम आधारित वेब भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा रोपणी अनुश्रवण | 6 मार्च 2020 | - |



वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर बैठक



वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर द्वितीय परामर्शी बैठक

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- | | | | |
|-----|---|---------------|---|
| 13. | पादप व्याधि के प्रबंधन में वानस्पतिक उत्पादों की भूमिका | 27 फरवरी 2020 | वन अधिकारी, वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी तथा अनुसंधान अध्येता |
|-----|---|---------------|---|

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- | | | | |
|-----|---|---------------|--|
| 14. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से व्यास, रावी तथा सतलुज नदी द्रोणियों के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने पर द्वितीय परामर्शी बैठक | 12 मार्च 2020 | केन्द्र तथा राज्य सरकार, अनुसंधान एवं विकास संगठन, पंजाब वन विभाग तथा विभिन्न अन्य विभाग |
|-----|---|---------------|--|

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

| | | | |
|-----|--|---------------|---|
| 15. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से गोदावरी नदी के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट | 6 मार्च 2020 | - |
| 16. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से गोदावरी तथा कृष्णा नदियों के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट | 12 मार्च 2020 | - |
| 17. | अकाष्ठ वन उत्पादों का संवहनीय प्रबंधन | 16 मार्च 2020 | - |

प्रशिक्षण कार्यक्रम

| क्र. सं. | विषय | समयावधि | लाभार्थी |
|----------|------|---------|----------|
|----------|------|---------|----------|

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

| | | | |
|----|---|--------------------------|--|
| 1. | गुणता रोपण सामग्री उत्पादक (QPMP) | 3 फरवरी से 13 मार्च 2020 | उद्यमी तथा छात्र |
| 2. | शहरी वानिकी | 13 तथा 14 फरवरी 2020 | शिक्षक, लोक निर्माण विभाग तथा गैर-सरकारी संगठनों के कर्मचारी |
| 3. | वानिकी अनुसंधान तथा वृक्ष सुधार में नवीन प्रगतियां | 17 से 21 फरवरी 2020 | उत्तर प्रदेश वन विभाग के वन कर्मचारी |
| 4. | महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों तथा बाँस का ऊतक संवर्धन | 24 से 28 फरवरी 2020 | भा.वा.अ.शि.प. के तकनीकी कर्मचारी |



महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों तथा बाँस के ऊतक संवर्धन पर प्रशिक्षण



वानिकी अनुसंधान तथा वृक्ष सुधार में नवीन उन्नतियों पर प्रशिक्षण



शहरी वानिकी पर प्रशिक्षण

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- | | | | |
|----|---|--|--|
| 5. | वन अर्थशास्त्र | 10 से 14 फरवरी 2020 | भारतीय आर्थिक सेवा के 10 अधिकारी |
| 6. | बॉस प्रवर्धन एवं प्रबंधन | 24 तथा 25 फरवरी 2020 | बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड से 25 राष्ट्रीय बॉस मिशन के कर्मचारी तथा कृषक |
| 7. | वन अधिनियम एवं नीति | 24 फरवरी से 6 मार्च 2020 | भारतीय आर्थिक सेवा के 10 अधिकारी |
| 8. | UNDP-SECURE हिमालय परियोजना 'पैराटैक्सोनॉमी में कौशल विकास' के अंतर्गत पैराटैक्सोनॉमी | 29 फरवरी से 2 मार्च 2020 तथा 4 से 6 मार्च 2020 | दोनों भू-परिदृश्यों (गंगोत्री-14, गोविंद-6) से प्रशिक्षु |
| 9. | हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वन कीटविज्ञान तथा नाशीकीट प्रबंधन | 24 फरवरी से 28 मार्च 2020 | 50 प्रतिभागी |



पैराटैक्सोनॉमी में कौशल विकास पर प्रशिक्षण



वन कीटविज्ञान एवं नाशीकीट नियंत्रण पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- | | | | |
|-----|---|---------------------------|---|
| 10. | काष्ठ रक्षण | 3 से 7 फरवरी 2020 | निजी काष्ठ उद्योगों से उद्यमी/प्रशिक्षु तथा शैक्षणिक समुदाय |
| 11. | चंदन – बीज हस्तन, पौधशाला तथा रोपण प्रौद्योगिकी | 10 से 14 फरवरी 2020 | कृषक |
| 12. | बॉस का प्रवर्धन तथा प्रबंधन | 25 फरवरी से 26 मार्च 2020 | छात्र |

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

| | | | |
|-----|---|---------------------------|--|
| 13. | अकाष्ठ वन उत्पादों (पादप मूल) का मूल्यवर्धन एवं विपणन : बाँस हस्तशिल्प | 7 फरवरी से 23 मार्च 2020 | बेरोजगार युवा / ग्रामीण / महिलाएं तथा दिव्यांग व्यक्ति |
| 14. | अकाष्ठ वन उत्पादों (पादप मूल) का मूल्यवर्धन एवं विपणन : औषधीय पादप | 26 फरवरी से 17 मार्च 2020 | बेरोजगार युवा / ग्रामीण / महिलाएं तथा दिव्यांग व्यक्ति |
| 15. | सिंचित परिस्थितियों में उगने वाले चावल के नाशीकीटों के विरुद्ध मकड़ियों की जैव-प्रभावकारिता | 4 तथा 5 मार्च 2020 | कृषक |
| 16. | सरकारी भण्डार संग्रहण तथा अभिलेख अनुरक्षण में ई-अधिप्राप्ति तथा क्रय प्रबंधन | 4 से 6 मार्च 2020 | भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अनुसचिवीय कर्मचारी |
| 17. | वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों पर अनुसंधान एवं विकास | 12 तथा 13 मार्च 2020 | मध्य प्रदेश वन विभाग के कर्मचारी, कृषक, तथा गैर-सरकारी संगठन |

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

| | | | |
|-----|---------------------------------|--------------------------|---|
| 18. | बाँस हस्तशिल्प | 3 फरवरी से 20 मार्च 2020 | असम के विभिन्न जिलों से हस्तशिल्पी / कृषक |
| 19. | वानिकी की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियां | 18 तथा 19 फरवरी 2020 | वरिष्ठ वन अधिकारी |
| 20. | वानिकी की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियां | 21 तथा 22 फरवरी 2020 | अग्र पंक्ति कर्मचारी |



हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बाँस वानिकी पर प्रशिक्षण

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- | | | | |
|-----|---|---------------------------|-------------------------------------|
| 21. | अकाष्ठ वन उत्पादों (पादप मूल) का मूल्यवर्धन एवं विपणन : अकाष्ठ वन उपज उत्पाद/औषधीय पादप | 6 से 25 फरवरी 2020 | हरित कौशल विकास कार्यक्रम प्रशिक्षु |
| 22. | अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट, जैव-रासायनिक अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, ई-अपशिष्ट, निर्माण तथा विध्वंस | 20 फरवरी से 21 मार्च 2020 | हरित कौशल विकास कार्यक्रम प्रशिक्षु |

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- | | | | |
|-----|---|----------------------|---|
| 23. | जम्मू क्षेत्र में अकाष्ठ वन उत्पादों की कृषि; कृषक की आय तथा जीविका संवृद्धि की ओर एक कदम | 26 फरवरी 2020 | जम्मू क्षेत्र के कृषक, जम्मू और कश्मीर वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मुख्य वन संरक्षक, उप वन अधिकारी तथा कर्मचारी, निदेशक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जम्मू तथा निदेशक, मुख्य वन संरक्षक, वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी तथा कर्मचारी |
| 24. | चिलगोजा पाइन तथा वन्य मशरूमों का उपयोग तथा संरक्षण | 12 तथा 13 मार्च 2020 | राज्य वन विभाग के अग्रपंक्ति कर्मचारी, स्थानीय ग्रामीण, पंचायत तथा महिला मण्डल के सदस्य |
| 25. | कर्तन अभिमुखता, उन्नतांश तथा क्राउन आर्किटेक्चर द्वारा यथाप्रभावित पोषक तत्व मान तथा पर्ण बायोमास उत्पादन | 14 से 19 मार्च 2020 | - |



जम्मू क्षेत्र में अकाष्ठ वन उत्पादों की कृषि; कृषक की आय तथा जीविका संवृद्धि की ओर एक कदम पर प्रशिक्षण



चिलगोजा पाइन तथा वन्य मशरूमों का उपयोग तथा संरक्षण पर प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

| | | | |
|-----|-----------------------------------|---------------------------|--|
| 26. | ग्राम स्तर पर क्षेत्र सर्वेक्षण | 24 जनवरी से 1 फरवरी 2020 | गैर सरकारी संगठन, हितधारक, स्थानीय व्यक्ति तथा महाराष्ट्र राज्य वन विभाग |
| 27. | क्षेत्र आंकड़ा एकत्रण | 31 जनवरी से 7 फरवरी 2020 | - |
| 28. | क्षेत्र आंकड़ा एकत्रण का प्रदर्शन | 8 से 13 फरवरी 2020 | - |
| 29. | बाँस प्रवर्धन तथा प्रबंधन | 10 फरवरी से 14 मार्च 2020 | छात्र, युवा तथा कृषक |
| 30. | वन प्रबंधन | 18 से 20 फरवरी 2020 | राज्य वन विभाग झारखण्ड, पंचायत सदस्य, गैर सरकारी संगठन, छात्र तथा प्रगतिशील कृषक |

प्रकृति कार्यक्रम

- “प्रकृति” कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी, 2020 माह में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश तथा कर्नाटक के विभिन्न विद्यालयों से 989 छात्रों तथा 176 महाविद्यालय के छात्रों ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- फरवरी, 2020 माह में वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रम में कोयम्बटूर जिले के तथा आस-पास के विभिन्न विद्यालयों के 1070 छात्रों तथा 458 महाविद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया।
- “प्रकृति” कार्यक्रम के अंतर्गत, शारदा विद्यालय, बंगलुरु के दिनांक 4 फरवरी 2020 को कक्षा V के 44 छात्रों, दिनांक 5 फरवरी 2020 को कक्षा VI के 38 छात्रों तथा दिनांक 6 फरवरी 2020 को कक्षा VII के 47 छात्रों ने काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान का दौरा किया।
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 27 फरवरी 2020 को केन्द्रीय विद्यालय, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के छात्रों हेतु प्रदर्शन-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- “प्रकृति” कार्यक्रम के अंतर्गत, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के प्रतिनिधियों ने केन्द्रीय विद्यालय, राजकोट का दौरा किया तथा “प्रकृति” कार्यक्रम के संबंध में दिनांक 10 फरवरी 2020 को श्री तेज सिंह (अध्यापक) से विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में कक्षा 11^{वीं} के 30 जीवविज्ञान विषय के छात्रों ने भाग लिया।

- “प्रकृति” कार्यक्रम के अंतर्गत, दिनांक 11 तथा 12 फरवरी 2020 को केन्द्रीय विद्यालय, ओ.एन.जी.सी., सिन्नामरा के 350 छात्रों ने वर्षा वन अनुसंधान, संस्थान का दौरा किया।



केन्द्रीय विद्यालय, जे.आर.सी., बरेली के छात्रों ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया



केन्द्रीय विद्यालय, ओ.एन.जी.सी., सिन्नामरा के छात्रों ने वर्षा वन अनुसंधान, संस्थान का दौरा किया

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत राज्य वन विभाग, ईको-क्लब के शिक्षकों, छात्रों तथा अन्य हितधारकों के लिए बोटैनिकल गार्डन, संघ शासित राज्य चण्डीगढ़ में दिनांक 27 तथा 28 फरवरी 2020 को “तितलियों तथा पक्षियों का अभिज्ञान” तथा “वृक्षों का स्वास्थ्य आकलन” पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।
- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत दिनांक 5 फरवरी 2020 को रामनगर में, दिनांक 6 तथा 7 फरवरी 2020 को कोलार एवं मैसूर में तथा 12 फरवरी 2020 कलबर्गी और विजयपुरा में “चंदन कृषि पद्धति की विधियों के पैकेज” पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। 550 कृषकों तथा वनरक्षकों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने *टैमेरिण्डस इण्डिका* की फलियों के मूल्य वर्धन (जैम तथा चटनी द्वारा) तथा *ऐम्बलिका ऑफिसिनेलिस* (आंवला), फलों के मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा निम्नांकित प्रदर्शन-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए –
 - दिनांक 4 फरवरी 2020 को आनंद निकेतन कृषि महाविद्यालय, महाराष्ट्र के छात्रों के लिए।
 - दिनांक 6 फरवरी 2020 को पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए।
 - दिनांक 20 फरवरी 2020 को वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी (उत्तराखण्ड) के प्रशिक्षुओं के लिए।
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 4 मार्च 2020 को कुंडल विकास, प्रशासन व व्यस्थापन अकादमी (वन) के प्रशिक्षुओं हेतु प्रदर्शन-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। 45 आर.एफ.ओ. प्रशिक्षुओं तथा कर्मचारियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों यथा बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन एवं बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैवविविधता एवं ऊतक संवर्धन, वन्य खाद्य मशरूम का अभिज्ञान, लाख कृषि, अगर कृषि, कृमिखाद, औषधीय पादप एवं आर्किड्स आदि पर मार्च 2020 माह के दौरान प्रशिक्षण आयोजित किया। असम के विभिन्न जिलों के 250 छात्रों ने असम सरकार के ज्ञान यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।



उ.व.अ.सं., जबलपुर में आर.एफ.ओ. प्रशिक्षुओं तथा कर्मचारियों ने जागरूकता-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

पुरस्कार

- सुश्री राखी त्यागी, वन अनुसंधान संस्थान को विज्ञान धाम, देहरादून, उत्तराखण्ड में दिनांक 26 से 28 फरवरी 2020 तक आयोजित 14th उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस में राखी त्यागी, अजीत कुमार लखड़ा, प्रदीप शर्मा तथा विनीत कुमार द्वारा रचित शीर्षक

मानव संसाधन समाचार

“Hydroxyproyl Guar Gum : A Promising Viscosifier for Oil Drilling Industry” पर मौखिक प्रस्तुतिकरण हेतु ‘यंग साइनटिस्ट एवार्ड’ से अलंकृत किया गया।

- सुश्री सपना भारद्वाज, वन अनुसंधान संस्थान को विज्ञान धाम, देहरादून, उत्तराखण्ड में दिनांक 26 से 28 फरवरी 2020 तक आयोजित 14^{वाँ} उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस में सपना भारद्वाज तथा रश्मि द्वारा रचित शीर्षक “Seasonal Influence on *Artemisia roxburghiana* Wall. Ex. Besser Volatile : Physicochemical Profile and its Antimicrobial Activity against Human Pathogens” पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण हेतु ‘यंग साइनटिस्ट एवार्ड’ से अलंकृत किया गया।

विविध

| संस्थान | विशेष दिन/विषय-वस्तु | समयावधि |
|-------------------------------|------------------------|---------------|
| वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस | 28 फरवरी 2020 |

प्रत्यावासन

अधिकारी का नाम

तिथि

डॉ. सुरेश गैरोला, भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

16.03.2020

नियुक्ति

अधिकारी का नाम

तिथि

श्री श्याम सिंह, सुरक्षा अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

27.02.2020

श्री. के. मुरली शंकर, भा.व.से., उप-वन संरक्षक, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

30.03.2020

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम

तिथि

डॉ. शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) तथा वैज्ञानिक – ‘जी’, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

29.02.2020

डॉ. एस. मुरुगेशन, वैज्ञानिक – ‘जी’, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

31.03.2020

डॉ. निजोरा डी. बोरठाकुर, वैज्ञानिक – ‘सी’, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान

31.03.2020

संरक्षक:

श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:

श्रीमती कंचन देवी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्षा

श्री राज कुमार बाजपेयी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।